



उदारवादी (नरमपंथी) युग



नरमपंथी चरण : विशेषताएँ एवं नेता

काल : 1885 - 1905 (कांग्रेस का प्रथम चरण)

नरमपंथी चरण की विशेषताएँ

- शिक्षित मध्यम वर्ग का नेतृत्व (वकील, पत्रकार, शिक्षक आदि)।
- संवैधानिक आंदोलन ; प्रार्थना, याचिका, विरोध-पत्र (3P)।
- ब्रिटिश न्याय में विश्वास तथा शांतिपूर्ण और वैधानिक तरीकों से सुधार की आशा।
- अंग्रेजी राज को **“ईश्वरीय वरदान”** मानते हुए भी उसमें सुधार की संभावना।
- गरम दल ने इस नीति को **“राजनीतिक भिक्षावृत्ति”** कहा।
- लंदन में ब्रिटिश कमेटी ऑफ कांग्रेस (1889; वेडरबर्न, नौरोजी) ; पत्रिका **“इंडिया”**।



नरमपंथी नीति : 3P

प्रार्थना (Prayer) 	याचिका (Petition) 	विरोध-पत्र (Protest)
----------------------------------	---------------------------------	------------------------------------

संवैधानिक एवं शांतिपूर्ण तरीकों से भारतीयों के अधिकारों की मांग

अन्य महत्वपूर्ण बिंदु

- ब्रिटिश कमेटी ऑफ कांग्रेस : 1889 (वेडरबर्न, नौरोजी)
- पत्रिका : **“इंडिया”**
- ब्रिटिश संसद और जनता के समक्ष भारत की समस्याएँ उठाना
- ब्रिटिश प्रशासन में भारतीयों की अधिक भागीदारी की मांग
- शिक्षा, प्रेस और जनमत के माध्यम से राजनीतिक चेतना का विकास



प्रमुख नरमपंथी नेता एवं उनके योगदान

दादाभाई नौरोजी



- “भारत के वयोवृद्ध पुरुष (ग्रैंड ओल्ड मैन)”
- धन-निष्कासन (ड्रेन) सिद्धांत
- Poverty and Un-British Rule in India (1901)
- पहले भारतीय ब्रिटिश सांसद (1892)

फिरोजशाह मेहता



- “बंबई का सिंह”
- बॉम्बे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन
- बॉम्बे क्रॉनिकल (1910)
- 1890 कांग्रेस अध्यक्ष

गोपाल कृष्ण गोखले



- गांधी के राजनीतिक गुरु
- सर्वेट्रस ऑफ इंडिया सोसाइटी (1905)
- वेल्बी आयोग (1895) के समक्ष साक्ष्य
- 1905 बनारस अध्यक्ष

सुरेन्द्रनाथ बनर्जी



- इंडियन एसोसिएशन
- पत्र : **द बंगाली**
- **“सरेंडर-नॉट”** उपनाम
- 1895 (पूना) एवं 1902 (अहमदाबाद) में कांग्रेस अध्यक्ष
- रिपन कॉलेज

महादेव गोविंद रानाडे



- पूना सार्वजनिक सभा
- प्रार्थना समाज
- इंडियन नेशनल सोशल कॉन्फ्रेंस (1887)
- Essays on Indian Economics

आर. सी. दत्त



- Economic History of India (1901-03)
- 1899 लखनऊ अध्यक्ष



डबल्यू. सी. बनर्जी, आनंद मोहन बोस, बदरुद्दीन तैयबजी, दिनशां वाचा, जी, सुब्रमण्यम अय्यर

- सुब्रमण्यम अय्यर : द हिंदू (1878), स्वदेशमित्र (1882)



मदन मोहन मालवीय

- पत्र : हिंदुस्तान (1887), अभ्युदय
- बाद में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (BHU) की स्थापना (1916)

भारतीय
राष्ट्रीय कांग्रेस
(1885-1905)

उदारवादी (नरमपंथी) युग

माँगें एवं उपलब्धियाँ

प्रमुख माँगें



राजनीतिक माँगें

- विधान परिषदों का विस्तार।
- भारतीय परिषद अधिनियम 1892।
- प्रशासनिक सेवाओं का भारतीयकरण।
- ICS की परीक्षाओं इंग्लैंड और भारत में एक साथ।
- न्यायपालिका को कार्यपालिका से पृथक करना।
- ज्यूरी व्यवस्था।
- शस्त्र अधिनियम का निरसन।



आर्थिक माँगें

- भू-राजस्व में कमी।
- नमक कर हटाना।
- सैन्य व्यय में कमी।
- स्वदेशी उद्योगों का संरक्षण।
- होम चार्जेज घटाना।
- अकाल-राहत की प्रभावी व्यवस्था।



नागरिक अधिकारों से संबंधित माँगें

- प्रेस एवं भाषण की स्वतंत्रता।
- विदेशों (विशेषकर दक्षिण अफ्रीका आदि) में भारतीयों के साथ भेदभाव का विरोध।



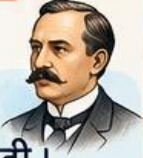
प्रमुख उपलब्धियाँ

- औपनिवेशिक शोषण का आर्थिक विश्लेषण।
- राजनीतिक जागरूकता एवं सार्वजनिक मत का निर्माण।
- भारतीय परिषद अधिनियम 1892।
- सैन्य व्यय पर चर्चा का अधिकार।
- नमक कर में कमी (बाद में)।
- राष्ट्रीय एकता की भावना का विकास।



भारतीय परिषद अधिनियम, 1892

(वायसराय : लॉर्ड लैसडाउन)



- केंद्रीय एवं प्रांतीय विधान परिषदों में अतिरिक्त (गैर-सरकारी) सदस्यों की संख्या बढ़ी।
- अप्रत्यक्ष निर्वाचन (सिफारिश-प्रणाली; “चुनाव” शब्द का प्रयोग नहीं)।
- सदस्यों को बजट पर चर्चा करने का अधिकार (मत देने का नहीं) और प्रश्न पूछने का अधिकार (पूरक प्रश्न नहीं)।
- कांग्रेस ने इसे अपर्याप्त बताया।



आर्थिक चिंतन

- धन-निष्कासन (ड्रेन सिद्धांत) : दादाभाई नौरोजी (1867, England's Debt to India)।
- R. C. दत्त, रानाडे, गोखले ने इसका समर्थन किया।
- वेल्बी आयोग (1895-1900) : भारत के व्यय की जाँच; दादाभाई नौरोजी सदस्य।



सीमाएँ

- सीमित सामाजिक आधार (उच्च-मध्यम वर्ग); किसान-मजदूर से दूरी।
- ब्रिटिश न्याय पर अत्यधिक भरोसा।
- ठोस परिणाम कम।
- कर्जन ने कांग्रेस को “पतन की ओर” बताया।
- डफरिन ने कांग्रेस को “सूक्ष्म अल्पसंख्यक” कहा।

कर्जन के प्रमुख कार्य

- कलकत्ता कॉर्पोरेशन अधिनियम (1899)।
- भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम (1904)।
- शासकीय गुप्त बात अधिनियम (1904)।
- बंगाल विभाजन (1905) – इनसे नरमपंथ की साख घटी।





उदारवादी (नरमपंथी) युग

बिहार एवं स्मरणीय तथ्य

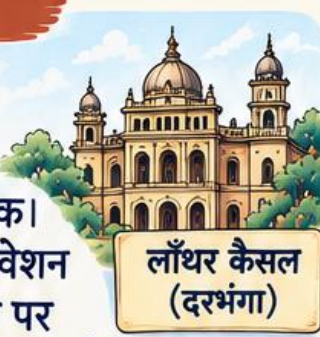


सामाजिक सुधार से जुड़ाव

- इंडियन नेशनल सोशल कॉन्फ्रेंस (1887) – रानाडे एवं रघुनाथ राव।

- सहमति आयु अधिनियम (1891) (बहरामजी मलाबारी का प्रयास) : नरमपंथी समर्थक; तिलक ने विरोध किया।


बिहार विशेष

- दरभंगा के महाराजा लक्ष्मेश्वर सिंह : कांग्रेस के प्रारंभिक संरक्षक। 1888 के इलाहाबाद अधिवेशन हेतु स्थल की समस्या होने पर लॉथर कैसल (बाद में दरभंगा कैसल) खरीदकर अधिवेशन कराया।

- सच्चिदानंद सिन्हा (Hindustan Review), महेश नारायण (बिहार टाइम्स, 1894) : नरमपंथी चरण के बिहारी नेता; अलग बिहार की माँग।


- मजहरुल हक, अली इमाम, हसन इमाम : बिहार के प्रारंभिक कांग्रेसी/उदारवादी नेता।


अन्य स्मरणीय तथ्य

- Hindustan Review : सच्चिदानंद सिन्हा।
- बिहार टाइम्स (1894) : महेश नारायण।
- बहरामजी मलाबारी : सामाजिक सुधारक (सहमति आयु अधिनियम के लिए प्रयास)।
- नरमपंथी चरण में बिहारी नेताओं ने अलग बिहार की माँग उठाई।

तुलना : नरमपंथी बनाम गरमपंथी

आधार	नरमपंथी (उदारवादी)	गरमपंथी (उग्रवादी)
 काल	1885 – 1905	1905 – 1919 (मुख्यतः 1905 – 08)
 नेता	नौरोजी, गोखले, मेहता	तिलक, लाला लाजपत राय, बिपिन चंद्र पाल, अरविंद घोष
 विधि	प्रार्थना – याचिका	बहिष्कार, स्वदेशी, निष्क्रिय प्रतिरोध
 लक्ष्य	प्रशासनिक सुधार	स्वराज
 आधार	शिक्षित मध्यम वर्ग	व्यापक जनसमूह

MODERATE ERA

FEATURES & LEADERS | 1885-1905

FEATURES OF THE MODERATE PHASE

- **Educated middle-class leadership:** lawyers, journalists and teachers.
- Constitutional agitation through the **3 Ps: Prayers, Petitions and Protests**.
- **Faith in British justice** and **peaceful, gradual reform**.
- Extremists criticised the approach as **"Political Mendicancy"**.
- **British Committee of the Congress** formed in London in 1889.
- **Journal: India.**



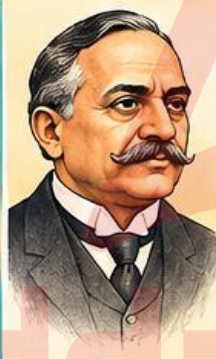
KEY MODERATE LEADERS

Dadabhai Naoroji



- "Grand Old Man of India"
- Drain Theory; Poverty and Un-British Rule in India (1901)
- First Indian elected to the British Parliament (1892)
- East India Association; *Rast Goftar*; *Voice of India*
- *England's Debt to India* (1867)

Pherozeshah Mehta



- "Lion of Bombay"
- Bombay Municipal Corporation
- Congress President, 1890
- *Bombay Chronicle* (1910)

Gopal Krishna Gokhale



- Gandhi's political mentor
- Servants of India Society (1905)
- Evidence before Welby Commission (1895)
- Congress President, Benares, 1905

Surendranath Banerjee



- Founded the Indian Association
- Newspaper: *The Bengalee*
- Nickname: "Surrender-not"
- Congress President: Poona (1895), Ahmedabad (1902)
- Ripon College

Mahadev Govind Ranade



- Poona Sarvajani Sabha; Prarthana Samaj
- Indian National Social Conference (1887)
- Essays on Indian Economics

R. C. Dutt



- Economic History of India (1901-03)
- Congress President, Lucknow (1899)



OTHER IMPORTANT LEADERS

W. C. Bonnerjee



Anandamohan Bose



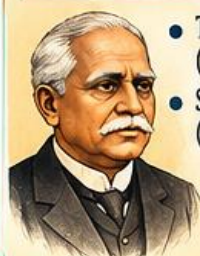
Badruddin Tyabji



Dinshaw Wacha

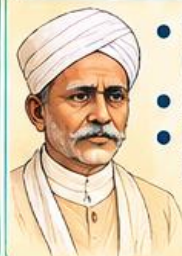


G. Subramania Iyer



- *The Hindu* (1878)
- *Swadesamitran* (1882)

Madan Mohan Malaviya



- *Hindustan* (1887)
- Abhyudaya
- Founded BHU in 1916

MODERATE ERA (1885 – 1905)

DEMANDS & ACHIEVEMENTS

MAJOR DEMANDS



POLITICAL DEMANDS

- Expansion of legislative councils.
- **Indian Councils Act, 1892.**
- Indianisation of administrative services.
- Simultaneous ICS examinations in England and India.
- Separation of judiciary from executive.
- Jury system.
- Repeal of the Arms Act.



ECONOMIC DEMANDS

- Reduction of land revenue.
- Abolition of the salt tax.
- Reduction of military expenditure.
- Protection of indigenous industries.
- Reduction of Home Charges.
- Effective famine relief.

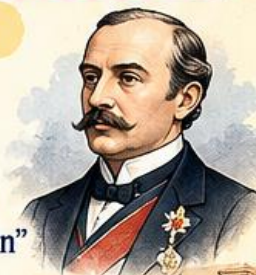


CIVIL RIGHTS

- Freedom of press and speech.
- Opposition to discrimination against Indians abroad, especially in South Africa.

INDIAN COUNCILS ACT, 1892

Viceroy: Lord Lansdowne



- Increased additional (non-official) members in central and provincial legislative councils.
- Introduced indirect election through recommendations; the word "election" was not used.
- Members could discuss the budget but could not vote on it.
- Members could ask questions but not supplementary questions.
- Congress considered the Act inadequate.



ECONOMIC THOUGHT

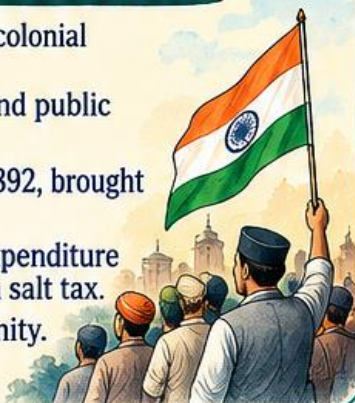
- **Drain of Wealth Theory:** Dadabhai Naoroji; England's Debt to India (1867).
- Supported and developed by R. C. Dutt, M. G. Ranade and Gopal Krishna Gokhale.
- **Welby Commission (1895–1900):** investigated Indian expenditure; Dadabhai Naoroji was a member.



MAJOR ACHIEVEMENTS



- Economic analysis of colonial exploitation.
- Political awareness and public opinion grew.
- Indian Councils Act, 1892, brought limited reforms.
- Debate on military expenditure and later reduction in salt tax.
- Growth of national unity.



LIMITATIONS

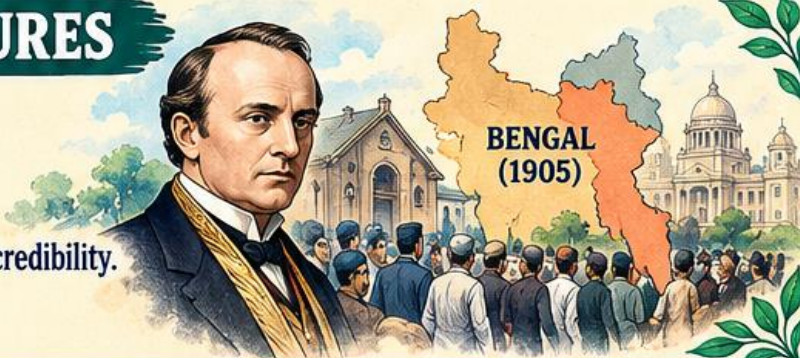
- Narrow social base, mainly the upper-middle class; limited links with peasants and workers.
- Excessive faith in British justice.
- Few concrete results.
- Lord Curzon described Congress as **"tottering to its fall"**.
- Lord Dufferin called it a **"microscopic minority"**.



Lord Curzon

CURZON'S MAJOR MEASURES

- Calcutta Corporation Act (1899).
- Indian Universities Act (1904).
- Official Secrets Act (1904).
- **Partition of Bengal (1905)**, which damaged Moderate credibility.





LINK WITH SOCIAL REFORM

- **Indian National Social Conference (1887):** associated with Mahadev Govind Ranade and Raghunath Rao.
- **Age of Consent Act (1891):** Behramji Malabari's efforts; supported by the Moderates; opposed by Bal Gangadhar Tilak.



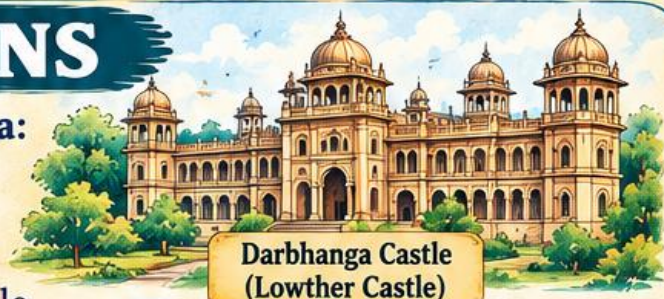
Mahadev Govind Ranade

Raghunath Rao

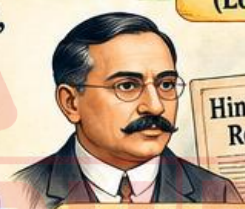
AGE OF CONSENT ACT (1891)

BIHAR CONNECTIONS

- **Maharaja Lakshmeshwar Singh of Darbhanga:** early patron of the Congress.
- When a venue was unavailable for the 1888 Allahabad Congress session, he purchased Lowther Castle, later known as Darbhanga Castle, to host the session.
- **Sachchidananda Sinha:** associated with Hindustan Review.
- **Mahesh Narayan:** associated with Bihar Times (1894).
- Both were Bihari leaders of the Moderate phase who supported the demand for a separate Bihar.
- **Mazharul Haque, Ali Imam and Hasan Imam:** early Congress and liberal leaders from Bihar.



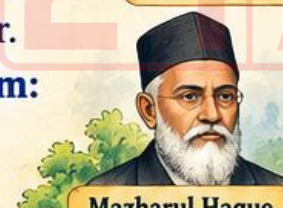
Darbhanga Castle (Lowther Castle)



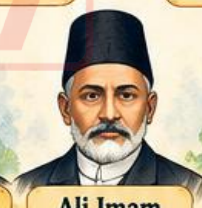
Sachchidananda Sinha



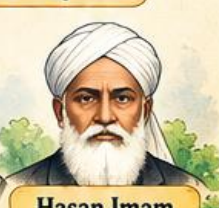
Mahesh Narayan



Mazharul Haque



Ali Imam



Hasan Imam

MODERATES VS EXTREMISTS

BASIS	MODERATES	EXTREMISTS
Period	1885 - 1905	1905 - 1919 (mainly 1905 - 08)
Leaders	Dadabhai Naoroji, Gopal Krishna Gokhale, Pherozeshah Mehta	Bal Gangadhar Tilak, Lala Lajpat Rai, Bipin Chandra Pal, Aurobindo Ghosh
Methods	Prayer and petition	Boycott, Swadeshi, passive resistance
Goal	Administrative reform	Swaraj
Social base	Educated middle class	Wider masses



MODERATES
→ Prayer and Petition



EXTREMISTS
→ Boycott, Swadeshi, Passive Resistance